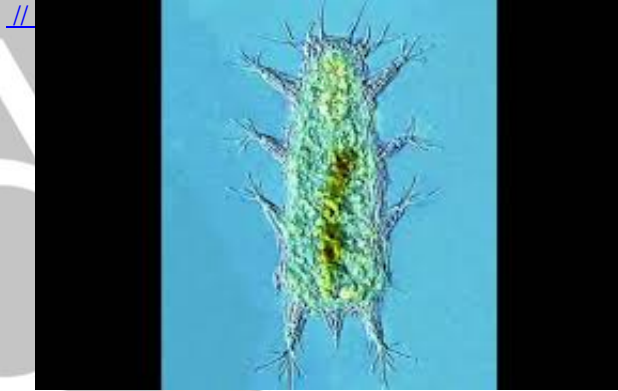


बैटलिपिस चंद्रायणी

[स्रोत: द हट्टि](#)

कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने चंद्रयान-3 चंद्रमा मशिन के सम्मान में तमलिनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट से नई खोजी गई समुद्री टार्डगिरेड प्रजाति का नाम बैटलिपिस चंद्रायणी (**Batillipes Chandrayaani**) रखा है।

- यह तमलिनाडु के मंडपम में उच्च और नमिन ज्वार के नशानों के बीच रेतीले क्षेत्र में पाया गया था।
- यह टार्डगिरेड 39वें प्रकार का टार्डगिरेड है जिसे बैटलिपिस नाम से वर्गीकृत किया गया है।
- इसका एक सरि है जो एक समलंबाकार जैसा दिखता है और चीजों को महसूस करने के लिये नुकीले रीढ़ वाले चार जोड़ी पैर हैं।
- टार्डगिरेड्स:
 - ये छोटे जीव, जिन्हें अक्सर "वॉटर बियर (water bears)" कहा जाता है, सूक्ष्म अदृश्य प्रकार के हैं।
 - हमें ज्ञात सभी टार्डगिरेड प्रजातियों में से 17% समुद्री टार्डगिरेड हैं और वे महासागरों में निवास करते हैं।
 - टार्डगिरेड्स ने क्रिप्टोबायोसिस नामक प्रक्रिया से गुजरकर पर्यावरणीय परिस्थिति को अनुकूलित किया है।
 - क्रिप्टोबायोसिस को एक ऐसी स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें चयापचय (Metabolic) गतिविधियाँ प्रतविरती ठहराव में आ जाती हैं।
 - अपने सूक्ष्म आकार के बावजूद, ये सूक्ष्म-मेटाज़ोआ बड़े पैमाने पर वल्लिप्त होने से बचने और अपनी उल्लेखनीय जीवित रहने की क्षमताओं के लिये मान्यता अर्जति करने में अवशिवसनीय रूप से लचीले प्रकार के हैं।



और पढ़ें: [चंद्रयान-3 प्रोपलशन मॉड्यूल पृथ्वी की कक्षा में लौटा](#)